



कक्षा-10 विज्ञान

अध्याय - 8

आनुवांशिकता

भाग - 1

शुभांगी सक्सेना

आनुवांशिकता

विवरण (Overview)

- ① आनुवांशिकता
- ② जनन
- ③ लिंग निर्धारण
- ④ आनुवांशिकता से सम्बन्धित कावदावली

- मेण्डल - मीटर ★
- क्यो
- परिणाम
- अनुपात
- प्रभावितों का नियम

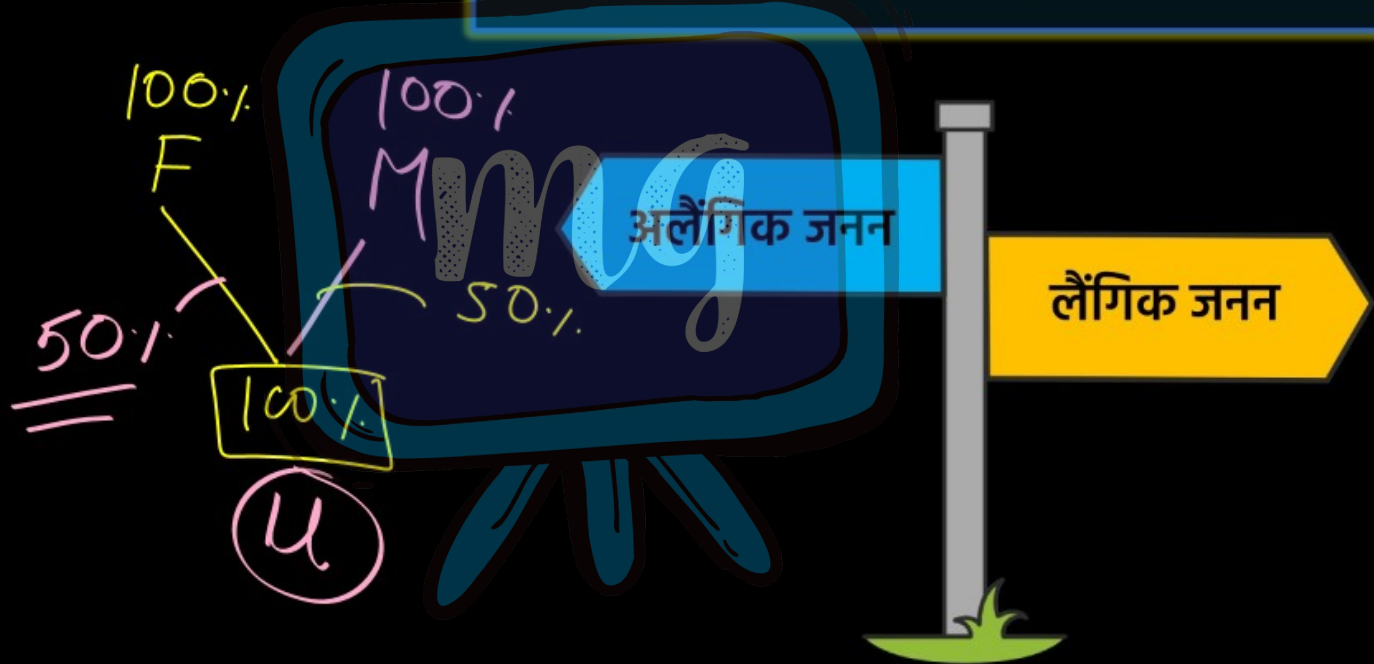
- जीन, जीनोटाइप, फिनोटाइप, आनुवांशिकता
- F_1, F_2 पीढ़ी
- लिंग निर्धारण

आनुवांशिकता

विभिन्न लक्षणों का
एक पीढ़ी से दूसरी
पीढ़ी में स्थानान्तरण।



जनन के दौरान विभिन्नताओं का संचयन



आनुवांशिकता

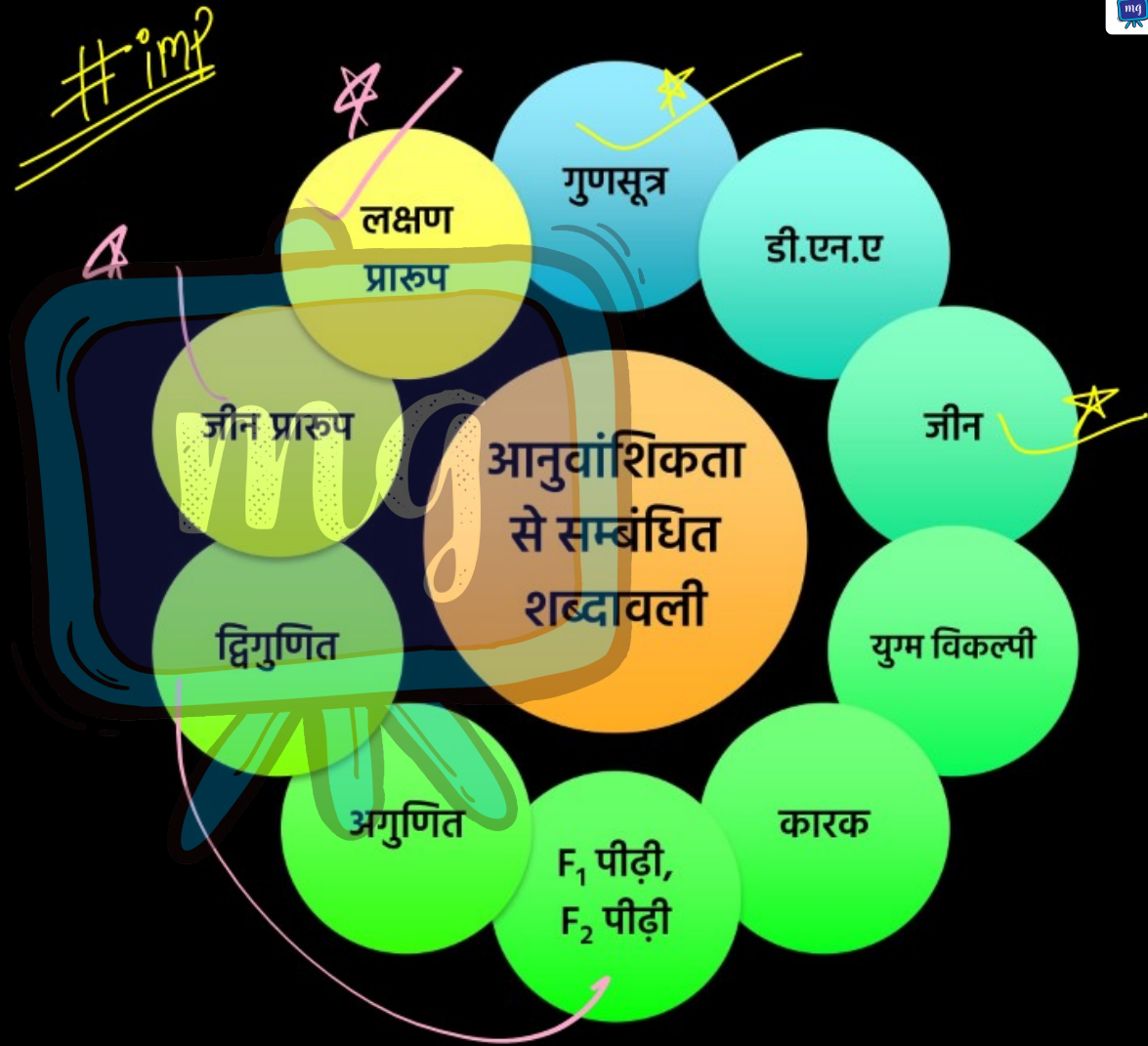
वंशागति में एक पीढ़ी से
दूसरी संतति को कुछ
विभिन्नताएँ प्राप्त

अलैंगिक जनन → बहुत
अधिक समानताएँ

विभिन्नताएँ

लैंगिक जनन → उत्पन्न
जीवों में विभिन्नताएँ

परिवर्तन लाभप्रद



आनुवांशिकता

1.

गुणसूत्र (Chromosome)

जीन के वाहक।

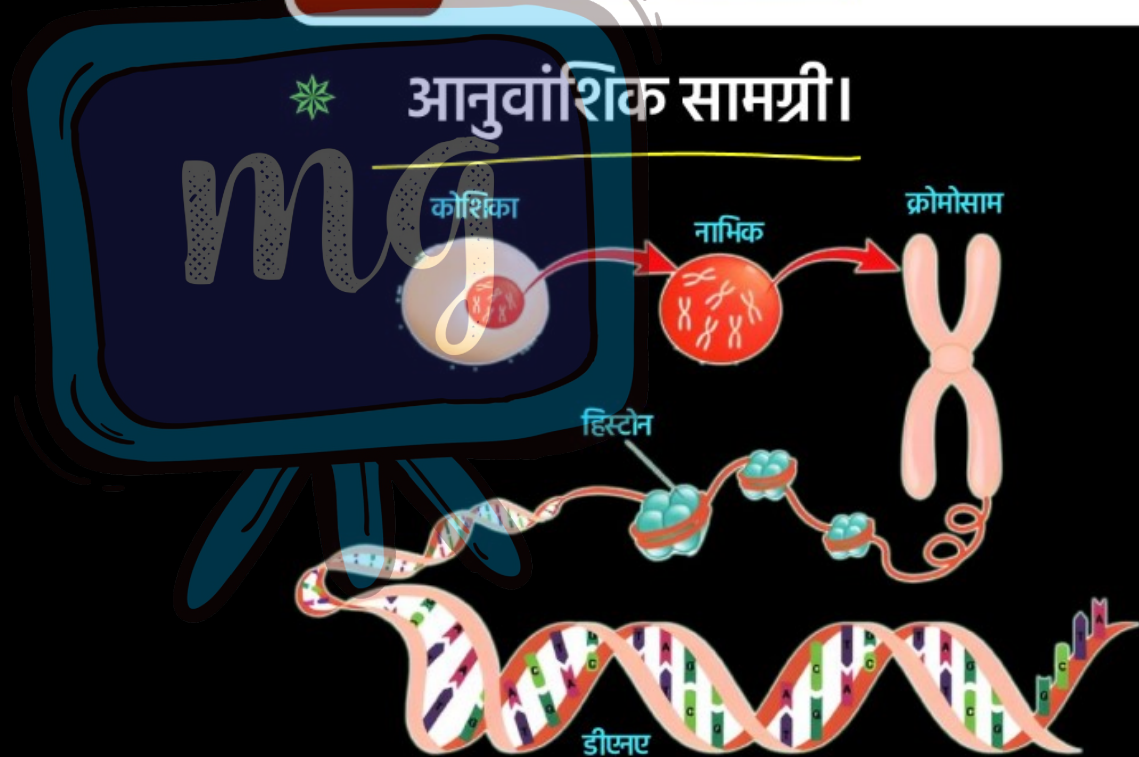
कोशिका के केंद्रक में मौजूद लंबी
धागे जैसी संरचनाएँ।



आनुवांशिकता

2.

डी.एन.ए. (DNA)



आनुवांशिकता

3.

जीन (Gene)

DNA का खंड।

आनुवांशिकता
की वकाल

गुणसूत्रों पर निश्चित स्थिति में स्थित।
विशेषताओं/लक्षणों को नियंत्रित।

क्रोमोसोम

जीन

DNA

प्रोटीन



आनुवांशिकता

4.

युग्मविकल्पी (Allelic)



विशेष जीन के विभिन्न रूपों में से एक।



एक गुणसूत्र पर एक ही स्थान पर।

mg

आनुवांशिकता

5.

कारक (Factors)



mg

मेंडल द्वारा वंशानुगत सूचना के वाहक।

आनुवांशिकता

6. F_1 व F_2 पीढ़ी (F_1 & F_2 Generation)

F_1 पीढ़ी

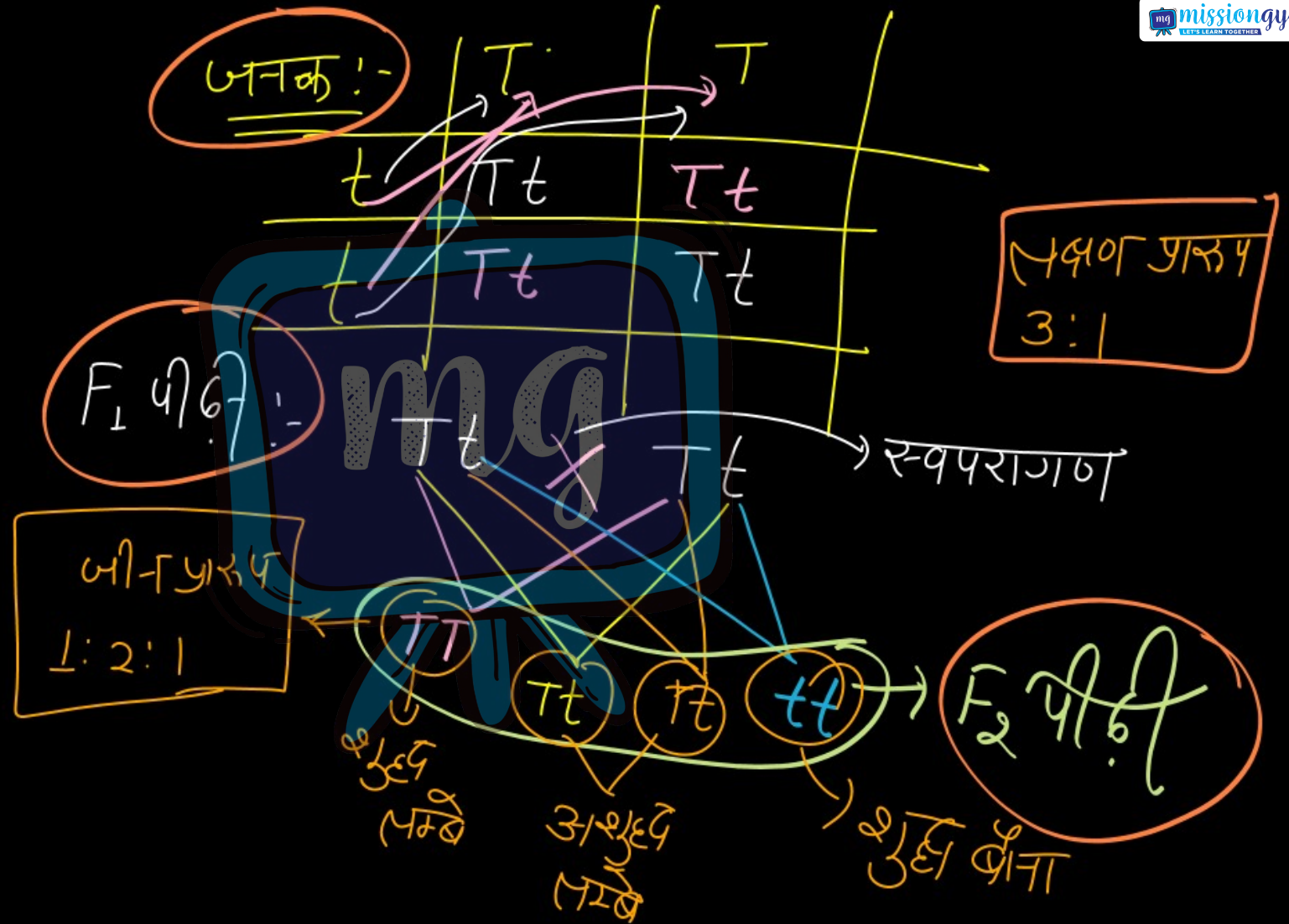


दो जनकों द्वारा प्रजनन से उत्पन्न संतति।

F_2 पीढ़ी



पहली पीढ़ी की संतति के आपस में
संकरण द्वारा उत्पन्न दूसरी संतति।



आनुवांशिकता

7.

अगुणित (Haploid)



अयुग्मित गुणसूत्र।

mg



अगुणित

आनुवांशिकता

8.

द्विगुणित (Diploid)

गुणसूत्रों की युग्मित स्थिति।

mg



द्विगुणित

आनुवांशिकता

#imp

9.

जीनप्रारूप (Genotype)



जीव में मौजूद जीन का विवरण।



उदाहरण – TT, Tt, tt



आनुवांशिकता

10.

लक्षणप्रारूप (Phenotype)

✱ जीव में मौजूद लक्षण/विशेषता ।

✱ लम्बा, बौना, हरा, पीला ।



आनुवांशिकता

आनुवंशिकता (Heredity)

★ विभिन्न लक्षणों का पूर्ण विश्वसनीयता
के साथ वंशागत होना।



आनुवांशिकता

आनुवंशिकी (Genetics)



जीव विज्ञान की वह शाखा जो
आनुवंशिकता और विभिन्नता का
अध्ययन करती है।

आनुवांशिकता

वंशानुक्रम (Inheritance)



एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक

आनुवंशिकी रूप से नियंत्रित लक्षणों
का संचरण।

आनुवांशिकता

वंशागत लक्षण (Hereditary Traits)

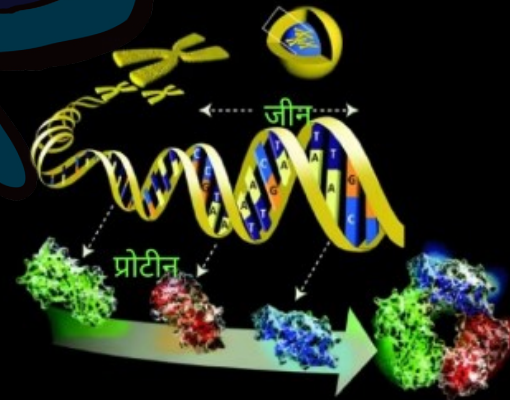
- ★ लक्षण या विशेषताएँ, जो एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी में संचरित।
- ★ जीन द्वारा नियंत्रित।



आनुवांशिकता

जीन (Gene)

- ★ आनुवांशिकता की इकाई
- ★ DNA का वह भाग जिसमें किसी प्रोटीन संश्लेषण के लिए सूचना निहित।



ग्रेगर जॉन मेंडल (1822 – 1884)

- ★ प्रारंभिक शिक्षा गिरजाघर में।
- ★ विज्ञान व गणित के अध्ययन के लिए वियना विश्वविद्यालय गये।
- ★ मोनेस्ट्री में मटर पर प्रयोग।
- ★ वंशागत गुणों के अध्ययन के लिए विज्ञान व गणितीय ज्ञान समिश्रित।
- ★ प्रत्येक पीढ़ी के एक-एक पौधे के लक्षणों का रिकॉर्ड रखने वाले पहले वैज्ञानिक।
- ★ “आनुवंशिकी के जनक”।

आनुवांशिकता

→ मेण्डल ने उद्यान मटर ^{वंश} (पाइसम
^{जात} सेटाइवम) पर अध्ययन किया।

→ मटर के सात जोड़ी विपर्यासी ^{विपरि} लक्षणों का अध्ययन।

आनुवांशिकता

Q: मटर का पौधा ही क्यों ?

संकरण प्रयोगों के लिए मटर पौधे का चुनाव

- पादप का आकार छोटा।
- एकवर्षीय पादप।
- बीजों की संख्या अधिक।
- मटर द्विलिंगी पादप है इसमें स्वपरागण पाया जाता है
- पुष्पों में परपरागण आसानी पूर्वक।
- कई लक्षण विपरीत प्रभाव दर्शाते हैं।

आनुवांशिकता

imp

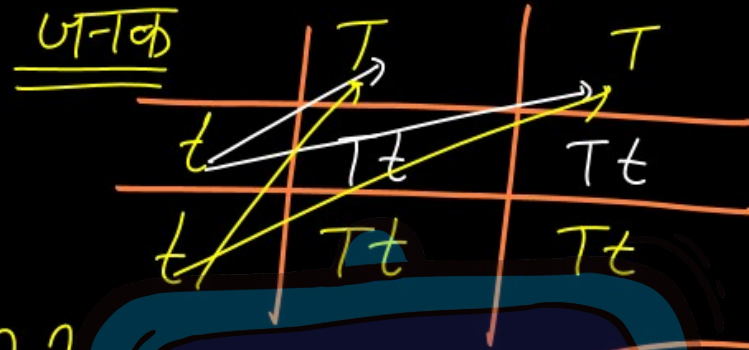
क्र. सं.	पादप का लक्षण	प्रभावी लक्षण	अप्रभावी लक्षण
1	पादप की लम्बाई	लम्बा (TT)	बौना (tt)
2	पुष्प की स्थिति	अक्षीय	शीर्ष
3	पुष्प का रंग	बैंगनी	सफेद
4	फली की आकृति	फूली हुई	पिचकी हुई
5	फली का रंग	हरा	पीला
6	बीज की आकृति	गोल	झुर्रीदार
7	बीज का रंग	पीला	हरा

#imp एकसंकर संकरण [Monohybrid Cross]

✈ विपरीत लक्षण वाले नर तथा मादा
के मध्य जब केवल एक जोड़ा
विपरीत लक्षणों के मध्य संकरण
कराया जाता है तो इसे एकसंकर
संकरण कहते हैं।

एकसंकर संकरण (Monohybrid Cross)





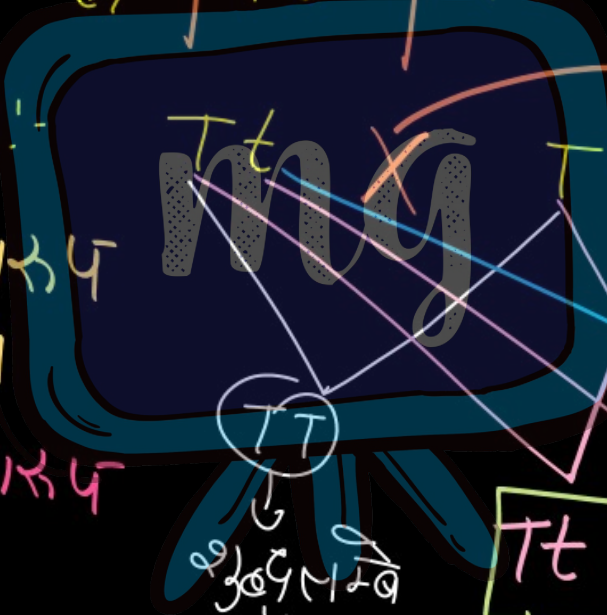
F₁ પીઠી :

ખીન પારખ

1 : 2 : 1

મકાન પારખ

3 : 1



જીવંત મરે પીલે

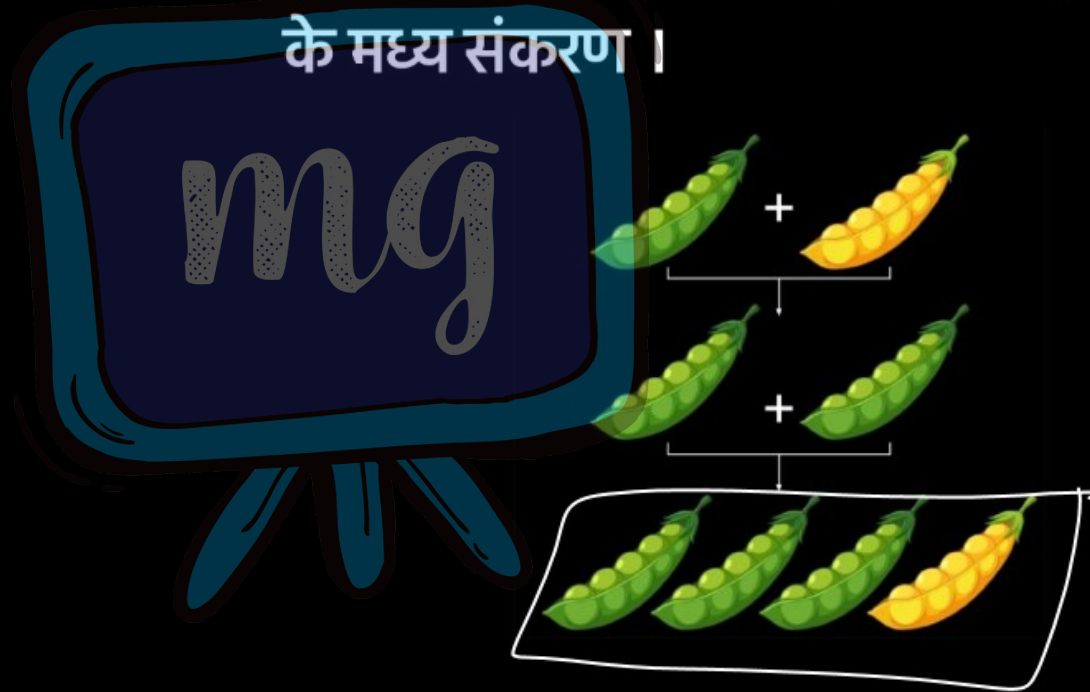


જીવંત મરે પીલે

સ્વપરિગત

તે જીવંત મરે પીલે

मटर के पौधे के एक जोड़ी विपर्यासी लक्षणों
के मध्य संकरण ।



आनुवांशिकता

★ प्रथम संतति पीढ़ी / F_1 - सभी पौधे लंबे।

★ F_1 पीढ़ी के लंबे पौधों में स्वपरागण से F_2 पीढ़ी प्राप्त।

★ F_2 पीढ़ी - एक चौथाई संतति बौने पौधे।

75% 25%
लंबे-11

जीनोटाइप – 1 : 2 : 1

फीनोटाइप – 3 : 1

आनुवांशिकता

उभ्रविता का नियम



जब मेण्डल ने शुद्ध लंबे तथा शुद्ध बौने मटर के बीच परपरागण करके एकसंकर संकरण कराया तब उसे F_1 पीढ़ी में सभी पौधे लंबे प्राप्त हुए।

इसका तात्पर्य है कि दो लक्षणों में से केवल एक
पैतृक जनकीय लक्षण ही दिखाई देता है।

दोनों लक्षणों का मिश्रित प्रभाव नहीं दिखता।

द्विसंकर संकरण (Dihybrid cross)

→ जब दो विपरीत अभिलक्षणों का अध्ययन करने के लिए संकरण कराया जाता है तो इसे द्विसंकर संकरण कहते हैं।

आनुवांशिकता

imp

→ मेण्डल ने गोल, हरे बीजों का संकरण, पीले

झुरीदार बीजों से कराया।

RR



गोल (प्रभावी लक्षण)

rr



झुरीदार (अप्रभावी)

YY



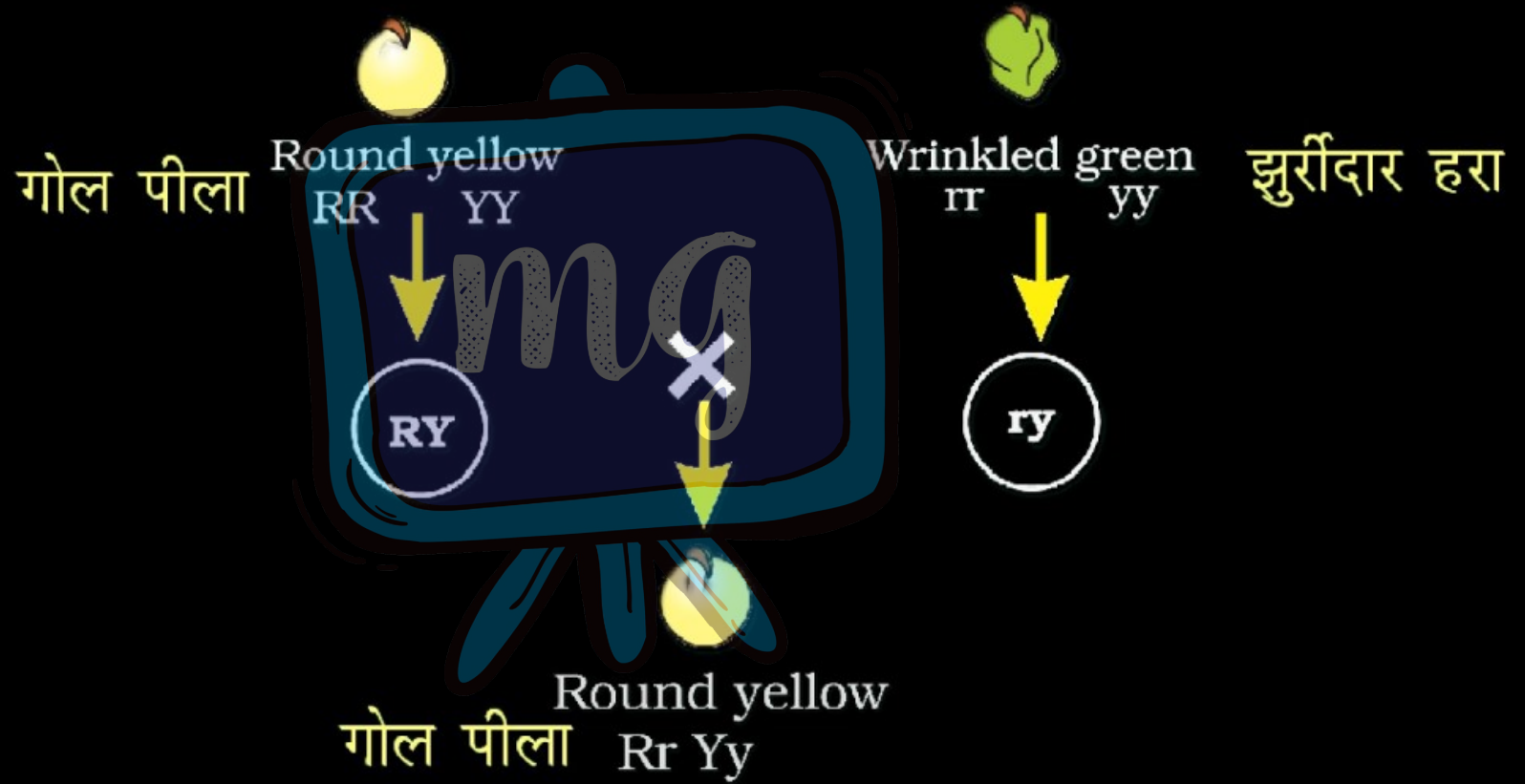
पीला (प्रभावी लक्षण)

yy



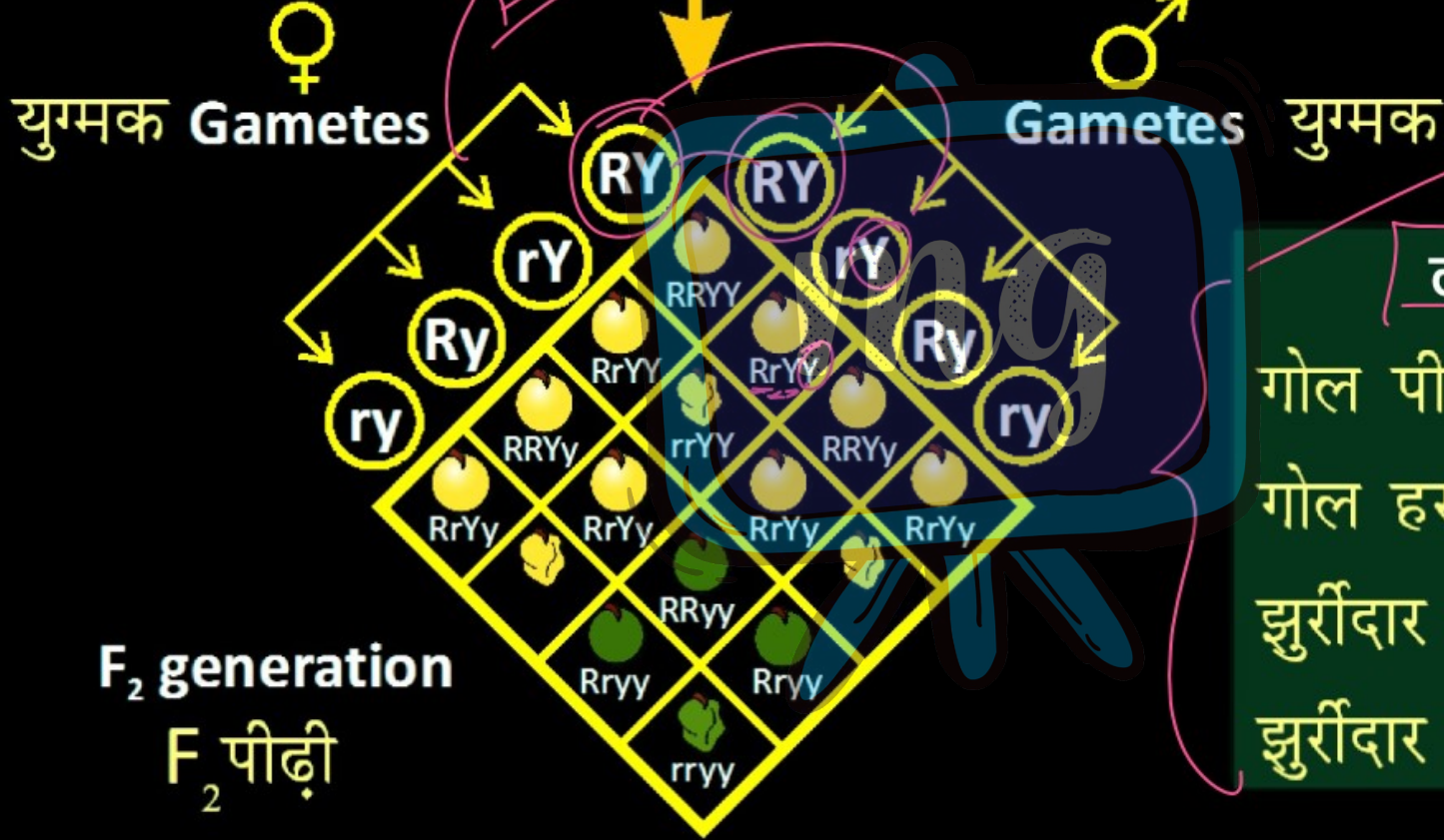
हरी (अप्रभावी)

आनुवांशिकता



आनुवांशिकता

स्वनिषेचन



लक्षण प्रारूप

गोल पीला :	9
गोल हरा :	3
झुरीदार पीला :	3
झुरीदार हरा :	1

मनुष्य में लिंग निर्धारण $\rightarrow$ imp

मानव में गुणसूत्रों की संख्या $\rightarrow$ 46 (23 जोड़े)

नर में गुणसूत्र $\rightarrow$ 44 + XY

मादा में गुणसूत्र $\rightarrow$ 44 + XX

नर में उपस्थित Y गुणसूत्र बालक का (संतति) का लिंग निर्धारण करता है।

आनुवांशिकता

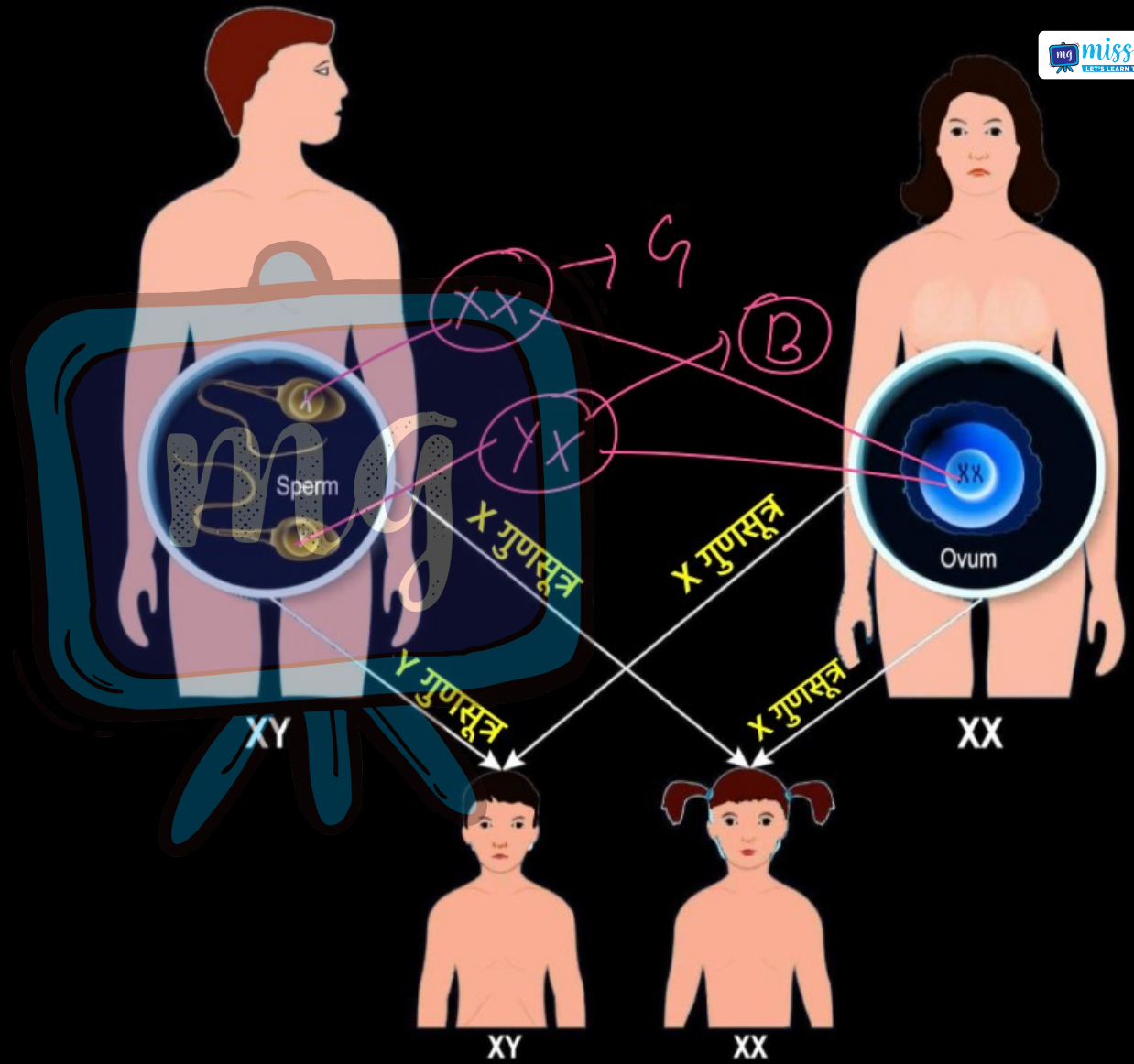
46 गुणसूत्र (23 जोड़े)

**44 गुणसूत्र
(22 Pair)**

**2 गुणसूत्र
(1 Pair)**

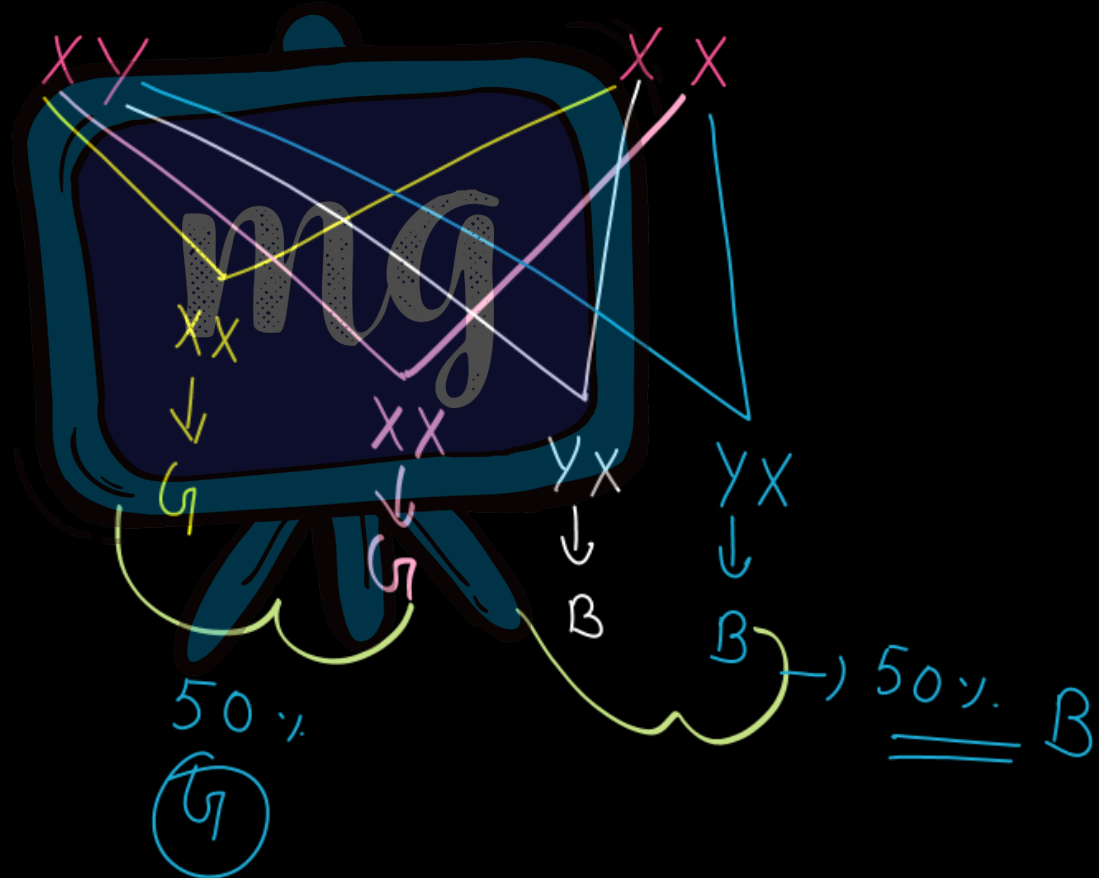
**ऑटोसोम
क्रोमोसोम**

**Sex
Chromosome**



ਜਦ
 $22 + XY$

ਮਾਦਾ
 $22 + XX$



अंगदान

